>

Title: Need to give commission to postal saving agents.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के वित्त मंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि इस देश में करीब पांच लाख से ज्यादा पोस्टल सेविंग एजेन्ट्स हैं, जिन्हें डाक बचत अभिकर्ता कहते हैं। अभी सरकार ने एक निर्णय लिया है कि हम इन एजेन्ट्स को कोई कमीशन नहीं देंगे। इस कारण से देश में पांच लाख एजेन्टस बेरोजगार हो जायेंगे, बेकार हो जायेगे। मैं कहना चाहता हूं कि एक तरफ हम लोगों को रोजगार नहीं दे रहे हैं और दूसरी ओर इन लोगों को कमीशन देना बंद करने का निर्णय लेकर पांच लाख लोगों पर आपने तलवार लटका दी है। मैं कहना चाहता हूं कि इनसे सेविंग में बढ़ोतरी होती है। मैंने इस बारे में मंत्रालय से सम्पर्क किया और पूछा कि आपने यह बंद क्यों किया, उन्होंने कहा कि हमने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर की अध्यक्षता में कोई समिति बनाई थी जिसने कहा है कि यह पैसा बैंकों में जमा होता है। मैं पूछना चाहता हूँ कि यह पैसा बैंकों में कौन जमा कराता है? यही ऐजेंट हैं, जो घर–घर में जा कर लोगों को बचत के लिए मोटिवेट करते हैं। इस फैसले से कम से कम 5 लाख एजेन्ट + 25 लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। मेरा आपके माध्यम से कहना है कि आर्थिक मंदी के बावजूद बचत के कारण भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर नहीं हुई है। वित्तमंत्री जी इस निर्णय को वापस लें और एजेंटों का कमीशन जारी रखें।

SHRI DILIPKUMAR MANSUKHLAL GANDHI (AHMADNAGAR): I want to associate myself with the Zero Hour issue raised today by Shri Arjun Ram Meghwal.

SHRI RAVINDRA KUMAR PANDEY (GIRIDIH): I want to associate myself with the Zero Hour issue raised today by Shri Arjun Ram Meghwal.